

नए नियम में पवित्र आत्मा का कार्य

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 4 है, नए नियम में पवित्र आत्मा का कार्य।

हम मसीह के साथ एकता पर अपने व्याख्यान जारी रखते हैं। हालाँकि हम अभी तक वहाँ नहीं पहुँचे हैं, हम वास्तव में अभी भी मसीह के साथ एकता में प्रमुख कार्यकर्ता का अध्ययन कर रहे हैं, और वह है परमेश्वर पवित्र आत्मा। हमने हाल ही में पुराने नियम में उनके कार्य को देखा, और अब हम नए नियम में उनके कार्य की ओर बढ़ते हैं। यहाँ इसकी रूपरेखा दी गई है। दुनिया में प्रेरितों में उनका कार्य, यीशु में पवित्र आत्मा का कार्य।

हम पवित्र आत्मा की मुख्य सेवकाई का थोड़ा सा उल्लेख करके इसे समाप्त करेंगे, जो निश्चित रूप से पापियों को मसीह से जोड़ना है। पवित्र आत्मा नए नियम में काम करता है; वह प्रेरितों में काम करता है, और उनके माध्यम से बोलता है। हमने इसे मत्ती 10:20 में देखा: जब तुम सताए जाओगे, तो यीशु ने कहा, चिंता मत करो, परमेश्वर तुम्हें सहायता देगा, और उस दिन पवित्र आत्मा तुम्हारे माध्यम से बोलेंगा।

यह आप नहीं बोल रहे हैं, बल्कि आपके पिता की आत्मा आपके माध्यम से बोल रही है। एक असामान्य और सुंदर संदर्भ, आपके पिता की आत्मा। इसका अर्थ, निश्चित रूप से, स्वर्ग में आपके पिता, परमेश्वर पिता है।

लूका 12:12, बहुत समान, लूका 12 की आयत 11, और जब वे तुम्हें सभाओं और शासकों और अधिकारियों के सामने ले जाएँ, तो इस बारे में चिंता न करें कि हमें अपना बचाव कैसे करना चाहिए या क्या कहना चाहिए। लूका 12:12, क्योंकि पवित्र आत्मा, उसी समय तुम्हें सिखा देगा कि तुम्हें क्या कहना चाहिए। नए नियम में पवित्र आत्मा के कार्य में प्रेरितों में उसके कार्य शामिल हैं; वह उनके माध्यम से बोलता है, और वह उन्हें ज्ञान देता है।

लूका 21 और पद 15 में आत्मा प्रेरितों को बुद्धि प्रदान करती है। यीशु ने भविष्यवाणी की है कि एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र के विरुद्ध उठ खड़ा होगा और उत्पीड़न होगा। इसलिए अपने मन में ठान लो, लूका 21:14, कि पहले से उत्तर देने की चिन्ता न करो, क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा मुँह और बुद्धि दूंगा, कि तुम्हारे विरोधी न तो उसका सामना कर सकेंगे और न उसका विरोध कर सकेंगे।

मेरे अपने प्रमाण पाठ के साथ मेरी समस्या यह है कि मुझे आत्मा का कोई विशिष्ट उल्लेख नहीं दिखता। यीशु बोल रहे हैं; शायद हमें अन्य अंशों से आत्मा का संकेत देना चाहिए, लेकिन मैं कहूँगा कि यह बहुत मजबूत नहीं है। यीशु अपनी आत्मा द्वारा प्रेरितों को यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान को देखने के लिए सशक्त बनाता है।

लूका 24:49, यीशु ने अपने शिष्यों को इममाऊस के रास्ते पर दो लोगों के बाद दर्शन दिए, वह उनके सामने प्रकट हुए और कहा, ये मेरे शब्द हैं, लूका 24 44, ये मेरे शब्द हैं, मैंने तुमसे कहा था जब मैं अभी भी तुम्हारे साथ था, कि मूसा और भविष्यद्वक्ताओं और भजनों की व्यवस्था में मेरे बारे में लिखी गई हर चीज पूरी होनी चाहिए। तब उसने शास्त्रों को समझने के लिए उनके मन खोल दिए और उनसे कहा। इस प्रकार, यह लिखा है कि मसीह को पीड़ित होना चाहिए और तीसरे दिन, मृतकों में से जी उठना चाहिए और यरूशलेम से शुरू करके सभी देशों में पश्चाताप और पापों की क्षमा की घोषणा की जानी चाहिए। तुम इन बातों के गवाह हो, और देखो, मैं अपने पिता की प्रतिज्ञा को तुम पर उतार रहा हूँ, लेकिन जब तक तुम ऊपर से सामर्थ्य से सुसज्जित न हो जाओ, तब तक शहर में रहो।

वादा, बेशक, वादा किया गया पवित्र आत्मा है, और शक्ति वही है जिसका वादा प्रेरितों के काम 1:8 में किया गया है; यह वास्तव में पवित्र आत्मा की शक्ति और उपस्थिति है। हमने अब दो या तीन बार देखा है, इसलिए हम नहीं बदलेंगे, लेकिन आत्मा प्रेरितों में निवास करती है और हमेशा उनकी सहायक रहेगी। यूहन्ना 14:16 और 17, दुनिया आत्मा को नहीं जानती क्योंकि वह उसे देख नहीं सकती; तुम उसे जानते हो क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहेगा, और वह तुम में रहेगा।

इसके अलावा, आत्मा परमेश्वर के काम में प्रेरितों को निर्देशित करती है। हम इसे प्रेरितों के काम की पुस्तक में देखते हैं, उदाहरण के लिए, प्रेरितों के काम अध्याय 13 और पहली मिशनरी यात्रा की शुरुआत। प्रेरितों के काम 13, पद 1 से शुरू होता है। अब उनके बीच में एलिय्याह, कुरेनी लूसियस, मेनाईन, हेरोदेस तेत्रक का आजीवन मित्र, और शाऊल थे।

जब वे प्रभु की आराधना और उपवास कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, बरनबास और शाऊल को मेरे से अलग करो, उस काम के लिए जिसके लिए मैंने उन्हें बुलाया है। पवित्र आत्मा ने यह कहा, हम पढ़ते हैं, कि उपवास और प्रार्थना करने के बाद, उन्होंने उन पर हाथ रखे और उन्हें विदा किया। फिर, आयत 4 में, पवित्र आत्मा द्वारा भेजे जाने पर, वे सिलुसिया गए, और वहाँ से, वे साइप्रस और अन्य स्थानों पर गए।

आत्मा परमेश्वर के लिए प्रेरितों के काम का निर्देशन कर रही है। यरूशलेम परिषद में, हम आत्मा को फिर से काम करते हुए देखते हैं। परिषद, बेशक, इसलिए बुलाई गई थी क्योंकि कुछ यहूदी लोग दावा कर रहे थे कि ईसाई बनने के लिए किसी को खतना करवाना चाहिए और मूसा के कानून का पालन करना चाहिए, भले ही आप गैर-यहूदी हों।

ऐसा नहीं है, परिषद ने फैसला किया, लेकिन ये गंभीर मामले थे। और प्रेरितों के काम 15 में, परिषद में, जो पत्र उन्होंने लिखा, उसमें ये शब्द शामिल हैं: पवित्र आत्मा को और हमें यह अच्छा लगा कि तुम पर इन आवश्यकताओं से ज्यादा बोझ न डालें, प्रेरितों के काम 15:28, कि तुम मूर्तियों के लिए बलि किए गए जानवरों से और खून से और गला घोंटे गए जानवरों से और व्यभिचार से दूर रहो। अगर तुम इनसे दूर रहोगे, तो तुम अच्छा करोगे।

अलविदा। पवित्र आत्मा और हमें यह अच्छा लगा। अर्थात्, आत्मा ने शिष्यों, प्रेरितों को कलीसिया के लिए बुद्धिमानी भरे निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया, प्रेरितों के काम 15:28।

इसके अलावा, हम अध्याय 16 में मैसेडोनियन कॉल के साथ देखते हैं, आत्मा सेवकाई के दरवाज़े बंद करती है और खोलती है, उन्हें परमेश्वर के वचन का प्रचार करने के लिए निर्देशित करती है जहाँ परमेश्वर ने उन्हें बुलाया था, 16 :6। और वे पवित्र आत्मा द्वारा एशिया में वचन का प्रचार करने से मना किए जाने के बाद, फ्रूगिया और गलातिया के क्षेत्र से होकर गए। जब वे मूसिया पहुँचे, तो उन्होंने बिथुनिया में जाने का प्रयास किया, लेकिन यीशु की आत्मा ने उन्हें जाने नहीं दिया। इसलिए, मूसिया से होते हुए, वे त्रोआस में गए और रात में पौलुस को एक दर्शन दिखाई दिया, एक मकिदुनिया निवासी व्यक्ति वहाँ खड़ा था, और उससे आग्रह कर रहा था और कह रहा था, मकिदुनिया में आओ और हमारी सहायता करो।

और जब पौलुस ने तुरंत दर्शन देखा, तो हमने मकिदुनिया जाने की कोशिश की, यह निष्कर्ष निकालते हुए कि परमेश्वर ने हमें उनके पास सुसमाचार प्रचार करने के लिए बुलाया है। ध्यान दें कि आत्मा ने प्रेरितों को एक ही रास्ते पर जाने की अनुमति नहीं दी, और आत्मा ने उन्हें एक तरह से निर्देशित किया, ठीक है, यहाँ दो बार, उसने उन्हें मना किया। जाहिर है, वह उन्हें सकारात्मक रूप से भी निर्देशित करता है।

प्रेरितों के माध्यम से, आत्मा चर्च को प्रभु के मंदिर के रूप में खड़ा करती है। आश्चर्यजनक रूप से, परमेश्वर अन्यजातियों को लेता है और उन्हें अपने लोगों में एकीकृत करता है। इफिसियों 2, 19-22 तो फिर, तुम अन्यजातियों, अर्थ है, अब अजनबी और परदेशी नहीं रहे, बल्कि तुम संतों के साथ नागरिक और परमेश्वर के घराने के सदस्य हो, जो प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की नींव पर बनाए गए हैं, मसीह यीशु स्वयं कोने का पत्थर है, जिसमें पूरी संरचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मंदिर बनती है।

उसमें, मसीह में, तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर के लिए निवास स्थान के रूप में एक साथ बनाए जा रहे हो। परमेश्वर अन्यजातियों को परमेश्वर के लोगों में एकीकृत करता है। पवित्र आत्मा मसीह और प्रेरितों की नींव पर कलीसिया का निर्माण करता है।

वह ऐसा ईश्वर के लोगों में विश्वास करने वाले यहूदियों और अन्यजातियों को जोड़कर करता है, उन्हें व्यक्तिगत रूप से मसीह से जोड़ता है ताकि वे प्रभु के लिए एक पवित्र मंदिर बना सकें, क्योंकि ईश्वर आत्मा में निवास करते हैं। इस प्रकार, पवित्र आत्मा प्रेरितों में और उनके माध्यम से शक्तिशाली रूप से कार्य करता है। वह दुनिया में भी काम करता है, और इन व्याख्यानों में असामान्य रूप से, मेरे पास लॉज़ेन वाचा से एक उद्धरण है, एक प्रतीक, एक सैद्धांतिक स्वीकारोक्ति जो दुनिया भर में ईसाइयों और इंजीलवादियों द्वारा चर्च के विश्वास और मिशन की मूल बातों को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए उपयोग की जाती है।

हम त्रिदेवों की एकता में पवित्र आत्मा से प्रेम करते हैं, साथ ही परमेश्वर पिता और परमेश्वर पुत्र से भी। वह मिशनरी आत्मा है, जिसे मिशनरी पिता और मिशनरी पुत्र ने भेजा है, जो परमेश्वर के मिशनरी चर्च में जीवन और शक्ति की साँस देता है। हम पवित्र आत्मा की उपस्थिति से प्रेम करते हैं और उसके लिए प्रार्थना करते हैं, क्योंकि मसीह के लिए आत्मा की गवाही के बिना, हमारी अपनी गवाही व्यर्थ है।

आत्मा के दोषी ठहराने वाले कार्य के बिना, हमारा प्रचार व्यर्थ है। आत्मा के उपहारों, मार्गदर्शन और शक्ति के बिना, हमारा मिशन केवल मानवीय प्रयास है। और आत्मा के फल के बिना, हमारा अनाकर्षक जीवन सुसमाचार की सुंदरता को प्रतिबिंबित नहीं कर सकता।

आमीन। यह दुनिया में काम करने वाली आत्मा के बारे में मेरी छोटी सी प्रस्तावना है। आत्मा दुनिया को यीशु की ज़रूरत के बारे में समझाती है।

यूहन्ना 16, पद 8 और उसके बाद। यीशु अपने जाने और आत्मा को भेजने के बारे में बात करता है - यूहन्ना 16 का पद 7।

फिर भी मैं तुम से सच कहता हूँ, कि मेरा जाना तुम्हारे लिये अच्छा है। क्योंकि यदि मैं न जाऊँ, तो वह सहायक तुम्हारे पास न आएगा। परन्तु यदि मैं जाऊँगा, तो उसे तुम्हारे पास भेज दूँगा।

और जब वह आएगा, तो संसार को पाप, धार्मिकता और न्याय के विषय में निरुत्तर करेगा। पाप के विषय में, क्योंकि वे मुझ पर विश्वास नहीं करते। धार्मिकता के विषय में, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ, और तुम मुझे फिर कभी नहीं देखोगे।

न्याय के बारे में, क्योंकि संसार के शासक का न्याय किया जा चुका है। आत्मा संसार को पाप के बारे में और यीशु की आवश्यकता के बारे में समझाएगी। जैसा कि हमने यूहन्ना 15 में देखा, अंत में, आत्मा यीशु की गवाही देती है।

और आत्मा उस गवाही में प्रेरितों को भी शामिल करेगी। अगर हम यीशु के लिए आत्मा की गवाही को जॉन के सुसमाचार में बड़ी गवाही के विषय के प्रकाश में रखते हैं। रेमंड ब्राउन ने जॉन के सुसमाचार पर अपनी दो-खंड की टिप्पणी में मुझे सिखाया कि जॉन ने अपने जीवन के अंत में यीशु के परीक्षणों को कम करके आंका है जिन्हें पहले तीन सुसमाचारों में अधिक स्थान दिया गया है।

यूहन्ना इसे कम महत्व देता है और इसके बजाय दिखाता है कि यीशु अपने पूरे सांसारिक मंत्रालय के दौरान, एक तरह से, परीक्षण में है। और परिणामस्वरूप, अध्याय 1 में प्रस्तावना में, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की गवाही के साथ, चौथे सुसमाचार में एक बड़ा गवाह विषय है। यह अध्याय 5 में एक वास्तविक उच्च बिंदु पर आता है, जहाँ यीशु के कई गवाह हैं।

यहाँ यीशु के कुछ गवाह दिए गए हैं। पिता, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, यीशु के चमत्कार, पुराना नियम। फिर, अध्याय 15 में, यीशु खुद के बारे में गवाही देते हैं।

फिर, अध्याय 15 और 26 में, आत्मा कार्रवाई में शामिल हो जाती है। और अगले ही श्लोक में, अगर मेरी याददाश्त सही है, तो प्रेरित खुद ही शामिल होते हैं। हाँ, आप भी गवाही देंगे।

इसलिए यूहन्ना 15:26, जब सहायक आएगा, जिसे मैं पिता की ओर से तुम्हारे पास भेजूँगा, अर्थात् सत्य का आत्मा, जो पिता की ओर से निकलता है, वह मेरे बारे में गवाही देगा। और तुम भी गवाही

दोगे क्योंकि तुम शुरू से ही मेरे साथ रहे हो। पिता और पुत्र, पिता और शिष्य गवाहों के समूह में शामिल होकर इस तथ्य की गवाही देते हैं कि यीशु परमेश्वर का पुत्र, मसीहा है, और केवल उसके नाम से ही उद्धार मिलता है।

आत्मा लोगों को मसीह के पास आने के लिए आमंत्रित करती है। यह कितना उल्लेखनीय और अद्भुत है। बाइबल इसी बात पर समाप्त होती है।

हमने प्रकाशितवाक्य, उत्पत्ति 1:2 में देखा कि आत्मा जल के ऊपर मँडरा रही है। और यहाँ कहानी के अंत में, प्रकाशितवाक्य 22:17 में, आत्मा और दुल्हन कहते हैं, आओ, दुल्हन तो कलीसिया है, और जो सुनता है वह कहे, आओ, और जो प्यासा है वह आए, और जो चाहे वह जीवन का जल मुफ्त में ले। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक, बाइबल की अंतिम पुस्तक के अंत में अगले से अंतिम पैराग्राफ में परमेश्वर का कितना अनुग्रहपूर्ण समापन है, जिसमें लोगों को आमंत्रित किया गया है कि वे आएँ और अनन्त जीवन का जल पिएँ, मेरे, यीशु मसीह पर विश्वास करें।

1 कुरिन्थियों 12 की पहली कुछ आयतें हमें चौंका देती हैं। आखिर एक ईसाई इस विचार पर क्यों विचार करेगा कि अगर कोई कहता है कि यीशु एक अभिशाप है, तो यह पवित्र आत्मा की ओर से होगा? मुझे नहीं पता। कुरिन्थियों को निश्चित रूप से कुछ निर्देश की आवश्यकता है, और पौलुस धैर्यपूर्वक उन्हें यह देता है।

लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप 1 कुरिन्थियों 12:3 को समझें, कि परमेश्वर की आत्मा में बोलने वाला कोई भी व्यक्ति कभी नहीं कहता कि यीशु एक अभिशाप है। हमारे उद्देश्यों के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है। और कोई भी व्यक्ति पवित्र आत्मा के बिना यह नहीं कह सकता कि यीशु प्रभु है।

बेशक, कोई भी व्यक्ति उन शब्दों को कह सकता है। लेकिन यूहन्ना का मतलब है कि कोई भी उन्हें सच्चाई से नहीं कह सकता। कोई भी व्यक्ति मसीह के प्रभुत्व की उस आदिम ईसाई स्वीकारोक्ति को सही मायने में नहीं कर सकता जब तक कि आत्मा ने उस व्यक्ति के जीवन में काम न किया हो, उसे उद्धारकर्ता की आवश्यकता के बारे में आश्वस्त न किया हो।

हमने पुराने नियम में काम करने वाली आत्माओं का सर्वेक्षण किया, और अब तक, नए नियम में, प्रेरितों में, और दुनिया में उनके काम का। और अब, हम एक खूबसूरत खंड पर आते हैं। मुझे यह वाकई बहुत पसंद है।

यीशु में पवित्र आत्मा का कार्य। हम देखेंगे कि पुराने नियम की भविष्यवाणियाँ आने वाले समय में आत्मा के कार्य करने की बात करती हैं, यीशु के गर्भाधान में, उनके बपतिस्मा और प्रलोभन में, उनकी शिक्षाओं, उपचारों और भूत-प्रेतों को निकालने में, उनके क्रूस पर चढ़ने में, और उनके पुनरुत्थान में भी आत्मा के कार्य करने की बात करती हैं। आत्मा यीशु के जीवन में व्याप्त है।

अवतार से पहले भी, पुराने नियम की भविष्यवाणियाँ यीशु के आने की बात करती हैं। मैं अपने पादरी वैन लीस के साथ मिलकर लिखी गई एक किताब का ज़िक्र किए बिना नहीं रह सकता।

हमने साधकों और नए ईसाइयों के लिए एक छोटी सी किताब लिखी है। यह बहुत ही सरलता से लिखी गई है, जिसका नाम है भविष्यवाणी में यीशु, मसीह का जीवन बाइबिल की भविष्यवाणियों को कैसे पूरा करता है। यह किताब बिल्कुल वैसा ही करती है जैसा इसका शीर्षक बताता है।

यह अब तक के सबसे महान जीवन, यीशु के जीवन की कहानी बताता है, और दिखाता है कि कैसे उन्होंने पुराने नियम की कई भविष्यवाणियों को पूरा किया। बेशक, हमारा सिद्धांत यह है कि यह बाइबल के अलौकिक चरित्र और किसी के लिए मसीह में विश्वास करने की आवश्यकता को दर्शाता है। मैं आपको एक प्रति प्राप्त करने, इसे सरसरी तौर पर पढ़ने, प्रार्थना करने और किसी साधक को देने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

वास्तव में हमारा पूरा उद्देश्य यही है। भविष्यवाणी में यीशु, मसीह का जीवन बाइबल की भविष्यवाणियों को कैसे पूरा करता है। पुराने नियम की भविष्यवाणियाँ वास्तव में आने वाले व्यक्ति के बारे में भविष्यवाणी करती हैं और यह कि आत्मा उसके जीवन में काम करेगी।

पुराने नियम में कहा गया है कि वह दाऊद के वंश से आएगा। यशायाह 11 हमें बताता है, " यिश्शै के टूठ से एक अंकुर निकलेगा, और उसकी जड़ों से एक शाखा फल देगी। और प्रभु की आत्मा उस पर विश्राम करेगी, बुद्धि और समझ की आत्मा, युक्ति और पराक्रम की आत्मा, ज्ञान और प्रभु के भय की आत्मा।"

और उसका आनन्द यहोवा के भय से होगा। वह अपनी आँखों से जो कुछ देखता है उसके अनुसार न्याय नहीं करेगा, और न अपने कानों से जो कुछ सुनता है उसके अनुसार विवादों का निपटारा करेगा। परन्तु वह धर्म से कंगालों का न्याय करेगा, और पृथ्वी के नम्र लोगों का न्याय खराई से करेगा।

वह अपने मुँह की छड़ी से धरती पर वार करेगा, और अपने होठों की साँस से दुष्टों को मार डालेगा। धार्मिकता उसकी कमर का पट्टा और सच्चाई उसकी कमर का पट्टा होगी। परमेश्वर की आत्मा आनेवाले पर विश्राम करेगी और उसे महान बुद्धि और शक्ति देगी।

परिणामस्वरूप, उसका जीवन प्रभु के भय से चिह्नित होगा। यशायाह 11:1 से 3. प्रभु उसे अपना सेवक चुनेगा और उससे प्रसन्न होगा। प्रभु की आत्मा का उपहार उसे न्याय दिखाने, नम्र होने और राष्ट्रों के बीच न्याय का पालन करने में सक्षम करेगा।

जैसा कि हम यशायाह 42:1 से 4 में पहले ही देख चुके हैं, देखो, मेरा सेवक जिसे मैं सम्भालता हूँ, मेरा चुना हुआ, जिससे मेरा मन प्रसन्न है। मैंने उस पर अपनी आत्मा डाल दी है। एक बार फिर, हम यीशु के जीवन में आत्मा की सेवकाई को दिखा रहे हैं।

यहाँ, यीशु के जीवन में आत्मा की भविष्यवाणी की गई सेवकाई की भविष्यवाणी पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं द्वारा की गई है। वह राष्ट्रों के लिए न्याय लाएगा। वह ऊँची आवाज़ में नहीं चिल्लाएगा या ऊँची आवाज़ में नहीं बोलेगा।

वह कुचले हुए सरकण्डे को नहीं तोड़ेगा। वह ईमानदारी से न्याय लाएगा। जब तक वह पृथ्वी पर न्याय स्थापित नहीं कर लेता और समुद्रतट उसके कानून का इंतज़ार नहीं करते, तब तक वह न तो कमज़ोर होगा और न ही हतोत्साहित होगा।

शायद मसीह के दोनों आगमनों को दूर से देखा जा सकता है। प्रभु मसीहा को अपनी आत्मा से अभिषेक करेंगे ताकि वे गरीबों को खुशखबरी सुनाएँ, जैसा कि हमने यशायाह 61:1 और 2 में देखा। निराश और कैदी। उनका वचन कुछ लोगों को सांत्वना देगा और दूसरों के लिए प्रतिशोध के दिन की चेतावनी देगा।

यशायाह 61 :1 और 2. आत्मा फिर से यीशु के जीवन में काम कर रही है। इस बार, उसके जन्म से पहले ही। पवित्र आत्मा मरियम के गर्भ में उसके गर्भधारण का कारण बनती है।

ल्यूक 1. पुराने नियम में आत्मा लोगों पर कैसे उतरी, हमने इसे बार-बार देखा है। आत्मा दाऊद पर उतरी। आत्मा सैमसन पर उतरी और इसी तरह आगे भी।

गेब्रियल ने मरियम से कहा कि आत्मा उस पर उतरेगी। लूका 1. लूका 1:35. गेब्रियल ने मरियम को चौंकाने वाली खबर दी है। वह दाऊद के वंशज को जन्म देने वाली है, जो याकूब के घराने पर हमेशा राज करेगा।

मैरी ने कहा, यह कैसे होगा क्योंकि मैं कुंवारी हूँ? एसवी एक शाब्दिक अनुवाद है, और मुझे नहीं पता कि वे शाब्दिक अनुवाद क्यों नहीं करते हैं क्योंकि मैं किसी पुरुष को नहीं जानती। पृष्ठभूमि पुराने नियम से इस तरह की भाषा है। आदम हव्वा को जानता था।

यह पति-पत्नी के बीच यौन संबंधों की भाषा है। वैसे भी, यह कैसे होगा क्योंकि मैं आत्मा में एक कुंवारी हूँ? और स्वर्गदूत ने उसे उत्तर दिया, पवित्र आत्मा तुम पर उतरेगी, और परमप्रधान की शक्ति तुम पर छाया करेगी। इसलिए, पैदा होने वाले बच्चे को पवित्र, परमेश्वर का पुत्र कहा जाएगा।

महिमा के बादल ने तम्बू को भर दिया। और इसलिए, मूसा उसमें प्रवेश भी नहीं कर सका। यहाँ, हम निर्गमन की पुस्तक के अंत में पढ़ते हैं।

और परमेश्वर की महिमा सुलैमान के मंदिर में आकर रहने लगी। लेकिन परमेश्वर की उपस्थिति का महिमामय बादल दूसरे मंदिर से गायब है। यहजेकेल ने मंदिर से महिमा को जाते हुए देखकर इसकी भविष्यवाणी की।

इसलिए, यह नए मंदिर में फिर से प्रकट होगा। यहजेकेल 43:1 से 5. यीशु वह वादा किया गया गौरव है। और उसके गर्भाधान से, महिमा की आत्मा ने मरियम पर छाया डाली ताकि उसका बच्चा परमेश्वर का पवित्र पुत्र पैदा हो।

लूका 1:35. यीशु के जन्म से पहले ही, आत्मा उसके लिए एक मानव शरीर और आत्मा तैयार करती है ताकि मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, वह अपने लोगों को उनके पापों से बचा सके। आत्मा यीशु के जीवन में उसके बपतिस्मा और प्रलोभन के समय सक्रिय है।

जॉर्डन में जॉन बैपटिस्ट द्वारा बपतिस्मा दिए जाने पर, जॉन ने देखा, मैथ्यू 3:16, परमेश्वर की आत्मा कबूतर की तरह उतरती है और उसके ऊपर रहती है। अदृश्य परमेश्वर के प्रकट होने को हम थियोफेन्स कहते हैं, पुत्र के प्रकट होने को हम क्रिस्टोफेन्स कहते हैं, और मुझे लगता है कि इसे एक नया मेटाफनी कहा जाएगा। जॉन पवित्र आत्मा को देखता है क्योंकि परमेश्वर ने कृपापूर्वक आत्मा को कबूतर के रूप में प्रकट किया है जो यीशु पर उतरता है और उसके ऊपर रहता है।

मत्ती 3:16. और अपने बपतिस्मा में, यीशु को आत्मा द्वारा अभिषिक्त किया जाता है ताकि वह अपने तीन गुना मसीहाई पद - भविष्यद्वक्ता, पुजारी और राजा को पूरा कर सके। मत्ती 4.1 के अनुसार, आत्मा यीशु को जंगल में ले जाती है ताकि शैतान द्वारा परीक्षा ली जा सके। इसलिए, आत्मा यीशु के जीवन की इन प्रारंभिक घटनाओं में शामिल है, जिनमें महत्वपूर्ण घटनाएँ, उसका बपतिस्मा और उसका प्रलोभन शामिल हैं।

आत्मा यीशु पर उतरती है और उसके बपतिस्मा में उस पर बनी रहती है, और आत्मा यीशु को हमारे लिए परीक्षा में डालने के लिए जंगल में धकेलती है। इसके अलावा, यीशु की शिक्षा, उपचार और भूत-प्रेत भगाने का काम आत्मा द्वारा किया गया था। देहधारी पुत्र ईश्वर और मनुष्य है।

जब पिता की इच्छा होती है, तो यीशु ईश्वरीय विशेषाधिकारों का प्रयोग करते हैं। उन्हें अपने बपतिस्मा के समय पवित्र आत्मा भी प्राप्त होता है ताकि वे ईश्वर-मनुष्य के रूप में सेवा के लिए तैयार हो सकें। यूहन्ना 3 के अनुसार, पिता अपने पुत्र को बिना किसी सीमा के पवित्र आत्मा देते हैं, ताकि यीशु ऐसे सिखा सकें जैसा पहले कभी किसी ने नहीं सिखाया।

यीशु नासरत के आराधनालय में खड़े होते हैं, यशायाह का स्कॉल लेते हैं, और यशायाह 61:1 को उद्धृत करते हुए लूका 4:8 पढ़ते हैं। उन्होंने स्कॉल को खोला और वह स्थान पाया जहाँ लिखा था: प्रभु की आत्मा मुझ पर है क्योंकि उन्होंने गरीबों को खुशखबरी सुनाने के लिए मेरा अभिषेक किया है। उन्होंने मुझे बंदियों को आज़ादी और अंधों को दृष्टि वापस दिलाने, सताए हुए लोगों को आज़ाद करने, प्रभु के अनुग्रह के वर्ष की घोषणा करने के लिए भेजा है। उन्होंने स्कॉल को लपेटा, उसे सेवक को वापस दिया, और बैठ गए।

हर कोई उसकी ओर देख रहा है, और यीशु कहते हैं, "आज, तुम्हारे सुनने में शास्त्र की बात पूरी हुई है। यह दुस्साहस है, है न? वाह। जब यीशु एक दुष्टात्मा से ग्रस्त व्यक्ति को चंगा करते हैं, उसे बोलने और देखने में सक्षम बनाते हैं, मत्ती 12:22, यीशु दो प्रतिक्रियाएँ प्राप्त करते हैं।

कुछ लोग आश्चर्य से कहते हैं कि क्या यीशु वादा किया गया पुत्र, दाऊद का वंशज हो सकता है। मत्ती 12:23. हालाँकि, फरीसी दावा करते हैं कि यीशु ने शैतान के ज़रिए दुष्टात्माओं को निकाला। आयत 24.

इस प्रतिक्रिया के विरुद्ध, यीशु ने तर्कपूर्ण ढंग से तर्क दिया और यह भी कहा, मत्ती 12:28 को उद्धृत करें, "यदि मैं परमेश्वर की आत्मा से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे ऊपर आ गया है।" श्लोक 28। परमेश्वर का राज्य, अंतिम बातों के हर दूसरे मुख्य पहलू की तरह, यीशु और उसके प्रेरितों की सेवकाई में पूरा हुआ है और अंत में पूरा होना अभी बाकी है।

यहाँ, राज्य राजा में मौजूद है। अगर मैं परमेश्वर के राज्य द्वारा, परमेश्वर की आत्मा द्वारा दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे ऊपर आ गया है। निश्चित रूप से, यह राज्य की अंतिम प्राप्ति नहीं है, लेकिन यह यीशु के शब्दों में आने वाला राज्य है, इस मामले में, कर्म, और अधिक विशेष रूप से, भूत-प्रेत भगाने के द्वारा।

यीशु के भूत-प्रेत भगाने के माध्यम से आत्मा शैतान को हराने और दुष्टात्माओं से मुक्त करने तथा परमेश्वर के राज्य के वर्तमान आयाम को लाने का काम करती है। पवित्र क्रोध के साथ, यीशु फरीसियों द्वारा जानबूझकर आत्मा के कार्य को दुष्ट के लिए जिम्मेदार ठहराने को अक्षम्य पाप घोषित करते हैं। श्लोक 31 और 32।

और चूंकि हाल ही में एक मित्र ने मुझसे इस पर बात करने के लिए कहा था, इसलिए मैं आपको अपनी राय दूंगा, यह स्वीकार करते हुए कि हर कोई मुझसे सहमत नहीं है। यह किसी के मरने पर क्षमा न किए गए पाप के बारे में बात नहीं कर रहा है। यह सच है।

यूहन्ना 8 में यीशु दो बार कहते हैं, " यदि तुम विश्वास नहीं करते कि मैं वही हूँ, तो तुम अपने पापों में मरोगे।" वह एक बार कहते हैं और एक बार कहते हैं, " यदि तुम विश्वास नहीं करते कि मैं वही हूँ, तो तुम अपने पापों में मरोगे।" मसीह के बिना मरने पर, व्यक्ति को क्षमा नहीं मिलती।

यह उस बारे में बात नहीं कर रहा है। यह तब है जब लोग जीवित हैं। यीशु कहते हैं कि उन्हें कभी माफ़ नहीं किया जाएगा। जैसा कि कई पादरियों और शिक्षकों ने अनुभव किया है, मेरे पास लोग आए और कहा, मुझे डर है कि मैंने अक्षम्य पाप किया है।

एक आम, और मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही है, पादरी का जवाब है, अगर आप इसके बारे में चिंतित हैं, तो आपने ऐसा नहीं किया है। क्योंकि जिन लोगों ने इसे अंजाम दिया है, वे यीशु के प्रति अपनी नफरत में इतने कठोर हैं कि कोई पश्चाताप नहीं है। अगर उन्होंने पाप किया है तो इस पर कोई सवाल नहीं है।

मैं मत्ती 12 के 31 और 32 शब्दों को फिर से पढ़ता हूँ। इसलिए, मैं तुमसे कहता हूँ, हर पाप और निन्दा लोगों को माफ़ कर दी जाएगी, लेकिन आत्मा के खिलाफ़ निन्दा माफ़ नहीं की जाएगी। लेकिन जो कोई मनुष्य के पुत्र के खिलाफ़ एक शब्द बोलता है, उसे माफ़ कर दिया जाएगा, लेकिन जो कोई पवित्र आत्मा के खिलाफ़ बोलता है, उसे माफ़ नहीं किया जाएगा, न तो इस युग में और न ही आने वाले युग में।

दूसरे शब्दों में, कभी नहीं। यह एक अक्षम्य पाप है। यीशु का क्या मतलब है? मेरी अपनी समझ है, और फिर, अन्य समझ भी हैं। मैं जो सबसे अच्छा कर सकता हूँ, वह यह है कि यीशु की स्थिति अद्वितीय है।

परमेश्वर का पुत्र देह में अवतरित हुआ है, चमत्कार कर रहा है, और पवित्र आत्मा की शक्ति से पाठ बहुत स्पष्ट है। यीशु के अपने शब्द इसका दावा करते हैं। और इस्राएल के धार्मिक नेता जानबूझकर मसीहा के माध्यम से आत्मा के कार्यों को शैतान को जिम्मेदार ठहराते हैं।

मैं इस प्रकार समझता हूँ कि यह मुक्ति के इतिहास में एक अनोखी स्थिति है। यह दोहराया नहीं जा सकता क्योंकि जब यीशु वापस आएगा, तो वह दुष्टात्माओं को निकालने का सांसारिक मंत्रालय नहीं करेगा। वह आएगा और मृतकों को जीवित करेगा; यह अंतिम न्याय होगा और फिर अनंत नियति होगी।

यह अनोखा है। यह अनोखा है क्योंकि देहधारी परमेश्वर ये चमत्कार कर रहे हैं। यह अनोखा है क्योंकि स्पष्ट रूप से, आत्मा उनके माध्यम से ये चमत्कार कर रही है।

और यह अनोखा है क्योंकि इस्राएल के नेता इसे जानते हैं! और फिर भी, वे विपरीत रूप से, यीशु के माध्यम से आत्मा के कार्य को शैतान को बताते हैं। क्यों? लोगों को उसके खिलाफ़ करने और लोगों को गुमराह करने के लिए। यीशु इस प्रकार जवाब देते हैं और कहते हैं, तुम नरक के पुत्र हो।

इस विशेष पाप के लिए आपको कभी माफ़ नहीं किया जाएगा। इसलिए मैं इसे एक बहुत ही विशेष स्थिति मानता हूँ, जिसे दोहराया नहीं जा सकता। मैं इब्रानियों 6 और 10 से स्वीकार करता हूँ कि अपरिवर्तनीय धर्मत्याग जैसी कोई चीज़ होती है।

एक शिक्षक और पादरी के रूप में, मैं इसे लेबल करने में जल्दबाजी नहीं करता, लेकिन यह संभव है कि कोई व्यक्ति उस ईसाई धर्म को अस्वीकार कर दे जिसे उसने कभी स्वीकार किया था और फिर कभी वापस नहीं आता। मुझे नहीं लगता कि हम इसे पहले से जान सकते हैं, लेकिन ऐसी स्थिति मौजूद हो सकती है, और अगर ऐसा होता है, तो हमें खुद ही विश्वास नहीं छोड़ना चाहिए। क्योंकि प्रभु ने हमें बताया है कि कभी-कभी ऐसा होता है।

लेकिन यह ऐसा नहीं है! केवल यीशु को ही यह दावा करने का अधिकार है कि किसी ने यह अक्षम्य पाप किया है। और केवल यहूदी नेता ही इस समय इस स्थिति में हैं कि वे न्याय का ऐसा भयानक हनन कर सकते हैं और परमेश्वर और उसके पुत्र और आत्मा का अपमान कर सकते हैं। तो, आत्मा यीशु की सांसारिक सेवकाई के सभी पहलुओं में सक्रिय है।

जैसा कि पतरस ने प्रेरितों के काम अध्याय 10 में अपने उपदेश के एक भाग के रूप में हमें बताया है। प्रेरितों के काम अध्याय 10:38. पद 37.

तुम खुद जानते हो कि यहूदिया में क्या हुआ। वह गैरयहूदियों को उपदेश दे रहा है, गलील से शुरू करके, यूहन्ना द्वारा घोषित बपतिस्मा के बाद, तुम खुद जानते हो कि यहूदिया में क्या हुआ,

कैसे परमेश्वर ने नासरत के यीशु को पवित्र आत्मा और सामर्थ्य से अभिषेक किया। वह भलाई करता हुआ और शैतान द्वारा सताए गए सभी लोगों को चंगा करता हुआ फिरा।

क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था। उल्लेखनीय रूप से, यीशु के क्रूस पर चढ़ने में पवित्र आत्मा भी शामिल था। यीशु का गर्भाधान आत्मा द्वारा हुआ, आत्मा द्वारा सशक्त किया गया, और आत्मा उसकी प्रायश्चित मृत्यु में भूमिका निभाती है।

2 कुरिन्थियों 5:19 के अनुसार, पिता यीशु के प्रायश्चित में भाग लेता है। परमेश्वर मसीह में था, और संसार को अपने साथ मिला रहा था। इब्रानियों 9:14 के अनुसार, पवित्र आत्मा भी एक भूमिका निभाता है।

यीशु ने खुद को शाश्वत आत्मा के माध्यम से परमेश्वर को अर्पित किया। मसीह का बलिदान महान और अंतिम बलिदान है, जो अन्य सभी बलिदानों को अप्रचलित बना देता है। जब यीशु खुद को पाप के लिए बलिदान के रूप में अर्पित करता है, तो उसे ईश्वरीय शक्ति प्राप्त होती है, और इस प्रकार उसका बलिदान, सभी बलिदानों में अद्वितीय, पूर्ण है, वास्तव में पुराने नियम में विश्वास करने वाले इस्राएलियों के लिए पापों की क्षमा का आधार है और हमेशा के लिए नए नियम में विश्वास करने वाले सभी लोगों के लिए पापों की क्षमा का आधार है।

इसी तरह, यीशु के पुनरुत्थान में भी पवित्र आत्मा शामिल है। पौलुस सिखाता है कि यीशु के पुनरुत्थान में भी आत्मा सक्रिय थी। रोमियों 1 में, जैसा कि हमने देखा, पौलुस परमेश्वर के पुत्र के बारे में सुसमाचार की घोषणा करता है।

उनका पुनरुत्थान पवित्रता की आत्मा के अनुसार हुआ, श्लोक 3 और 4। पिता ने घोषणा की कि उनका पुत्र परमेश्वर है, क्योंकि उन्होंने उसे आत्मा की शक्ति से मृतकों में से जीवित किया। पौलुस ने 1 तीमोथियुस 3:16 में ईश्वरीयता के रहस्य के अपने अंगीकार में भी यही सिखाया है, जो जाहिर तौर पर ईसाइयों द्वारा सार्वजनिक आराधना में दोहराया जाने वाला अंगीकार है।

हम स्वीकार करते हैं कि यह वास्तव में महान है, यह ईश्वरीयता का रहस्य है। और यह यहाँ है। वह शरीर में प्रकट हुआ, आत्मा द्वारा प्रमाणित हुआ, स्वर्गदूतों द्वारा देखा गया, राष्ट्रों में घोषित किया गया, दुनिया में उस पर विश्वास किया गया, और महिमा में ऊपर उठाया गया।

देह में प्रकट होना उसके देहधारण की बात करता है, परमेश्वर का शाश्वत पुत्र मनुष्य बन गया। आत्मा द्वारा प्रमाणित, शब्द वास्तव में न्यायोचित है। प्रमाणित इसका बढ़िया अनुवाद है। यीशु को मृतकों में से जी उठने में पिता द्वारा प्रमाणित किया गया।

और यहाँ, इसे विशेष रूप से आत्मा द्वारा कहा गया है। उनके पुनरुत्थान के बाद स्वर्गदूतों द्वारा देखा गया, सुसमाचार के प्रचार में राष्ट्रों के बीच घोषित किया गया, दुनिया में उन पर विश्वास किया गया, और उनके स्वर्गारोहण में महिमा में ले जाया गया। पौलुस ने आत्मा में या उसके द्वारा मृतकों में से यीशु के न्यायोचित होने को शामिल किया है।

क्योंकि यीशु एक दोषी व्यक्ति की मृत्यु मरता है, उसका पुनरुत्थान उसका औचित्य सिद्ध करता है। पिता अपने पुत्र को आत्मा के द्वारा मृतकों में से जिलाकर उसे धर्मी ठहराता है, ESV। हमारा अंतिम विषय, जिसका हम आज सर्वेक्षण करेंगे, इस व्याख्यान में, पवित्र आत्मा की सेवकाई, मसीह के साथ एकता है।

आत्मा मसीह के साथ हमारी एकता का बंधन है। हमारे अगले व्याख्यानों में, हम पुराने नियम और प्रेरितों के काम की पुस्तक में समकालिक सुसमाचारों में मसीह के साथ एकता की नींव को देखेंगे। वे वास्तव में एकता की शिक्षा नहीं देते हैं। यह जॉन का अपने सुसमाचार में और पॉल का अपने पत्र में काम है।

लेकिन वे हमारे लिए मसीह के साथ एकता को समझने की नींव रखते हैं, जिसे हम अगले व्याख्यान में समझाएंगे। लेकिन अभी के लिए, हम आत्मा के कार्यों के बारे में बात करना आत्मा की सेवकाई के बारे में बात किए बिना समाप्त नहीं कर सकते हैं, और सबसे ऊपर एक बात सामने आती है। उद्धार के संबंध में पवित्र आत्मा की प्रमुख सेवकाई मसीह के साथ एकता है।

आत्मा मसीह के साथ हमारी एकता का बंधन है। आत्मा उद्धार के लिए इतनी अपरिहार्य है कि जिन लोगों में आत्मा की कमी है, पॉल हमें बताता है, वे मसीह के नहीं हैं। इसके अलावा, आत्मा उद्धार के पहलुओं को लाती है जो मसीह के साथ एकता में होते हैं, जिसमें पुनर्जन्म, औचित्य, गोद लेना, पवित्रीकरण, संरक्षण और महिमा शामिल हैं।

उनमें से हर एक मसीह में है। रोमियों 8:5 से 11 में पौलुस ने दो विरोधाभासी क्षेत्रों की तुलना की है। शरीर का क्षेत्र और आत्मा का क्षेत्र।

शरीर में रहना उद्धार न पाना, परमेश्वर से घृणा करना, परमेश्वर को प्रसन्न न कर पाना और दण्ड की ओर अग्रसर होना है। रोमियों 8:5 से 11. जो लोग शरीर के अनुसार जीते हैं, वे शरीर की बातों पर मन लगाते हैं; परन्तु जो आत्मा के अनुसार जीते हैं, वे आत्मा की बातों पर मन लगाते हैं।

क्योंकि शरीर पर मन लगाना तो मृत्यु है, परन्तु आत्मा पर मन लगाना जीवन और शान्ति है। क्योंकि शरीर पर मन लगाना परमेश्वर से बैर रखता है, क्योंकि वह परमेश्वर की व्यवस्था के आधीन नहीं रहता। वास्तव में, वह हो नहीं सकता।

जो लोग शरीर में हैं, वे परमेश्वर को प्रसन्न नहीं कर सकते। लेकिन तुम शरीर में नहीं हो, बल्कि आत्मा में हो, अगर वास्तव में परमेश्वर की आत्मा तुम में वास करती है। जिस किसी में मसीह की आत्मा नहीं है, वह उसका नहीं है।

परन्तु यदि मसीह तुम में है, तो देह पाप के कारण मरी हुई है, परन्तु आत्मा धार्मिकता के कारण जीवन है। क्योंकि यदि उसी का आत्मा जिस ने यीशु को मरे हुए में से जिलाया तुम में बसा हुआ है, तो जिस ने मसीह को मरे हुए में से जिलाया, वह तुम्हारी मरनहार देहों को भी अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में बसा हुआ है जिलाएगा। आत्मा में होना उद्धार पाना, परमेश्वर से प्रेम करना, उसे प्रसन्न करने में समर्थ होना, और उद्धार की ओर अग्रसर होना है।

पौलुस अपने पाठकों को आश्चस्त करता है कि वे शरीर में रहने वालों के समूह में शामिल नहीं हैं। हालाँकि, यदि परमेश्वर की आत्मा वास्तव में तुममें रहती है, तो तुम शरीर में नहीं बल्कि आत्मा में हो। पद 9 में, वह सिखाता है कि वे शरीर में नहीं बल्कि आत्मा में हैं क्योंकि आत्मा उनमें निवास करती है।

इसके अलावा, "यदि किसी में मसीह की आत्मा नहीं है, तो वह उसका नहीं है।" श्लोक 9, हालाँकि यह नकारात्मक रूप में है, इस कथन का उद्देश्य मुख्य रूप से सकारात्मक है, यह रेखांकित करने का प्रयास करता है कि प्रत्येक ईसाई आत्मा द्वारा वास करता है। हालाँकि, इसका दूसरा उद्देश्य इस बात पर जोर देना है कि आत्मा की कमी वाला कोई भी व्यक्ति ईसाई नहीं हो सकता, चाहे वह किसी भी आस्था का दावा क्यों न करे।

मुद्दा यह है कि फिर से, मुद्दा यह है कि आत्मा का होना उद्धार के लिए आवश्यक है। क्योंकि पवित्र आत्मा मसीह के साथ हमारे मिलन का बंधन है, इसलिए नकारात्मक और सकारात्मक दोनों तरह के निहितार्थ हैं। नकारात्मक रूप से, जिनके पास आत्मा नहीं है वे मसीह के नहीं हैं।

सकारात्मक रूप से, आत्मा हमारे उद्धार के उन पहलुओं को सामने लाती है जो मसीह के साथ एकता में घटित होते हैं। और उन पहलुओं पर, प्रभु की इच्छा से, हम आने वाले व्याख्यान में चर्चा करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन की पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 4 है, नए नियम में पवित्र आत्मा का कार्य।